



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 129] नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 18, 1977/फाल्गुन 27, 1898

No. 129] NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 18, 1977/PHALGUNNA 27, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 18th March 1977

S.O. 242(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development and Internal Trade (Department of Industrial Development) No S O 1482, dated the 31st March, 1971, read with the Order of the Government of India in the late Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No S O 184(E), dated the 9th March, 1976, the management of the industrial undertaking known as Messrs Gresham and Craven of India (Private) Limited, Calcutta, had been taken over under section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period upto and inclusive of the 20th March, 1977,

And whereas the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the Order first mentioned above should continue to have effect for a further period of one year,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of section 18A of the said Act, the Central Government hereby directs that the Order first mentioned above shall continue to have effect for a further period of one year.

[No. 4/8/76-CUC]

A K GHOSH, Addl Secy.

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 18 मार्च, 1977

का०आ० 242 (अ).—भारत सरकार के भूतपूर्व उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 184 (अ) तारीख 9 मार्च, 1976 के साथ पठित भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास और आन्तरिक व्यापार मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 1482 तारीख 31 मार्च, 1971 द्वारा, मैसर्स ग्रेशम एण्ड क्रेवन आफ इंडिया (प्राइवेट) लिमिटेड, कलकत्ता नामक औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम 1951 (1951 का 65) की धारा 18क के अधीन 30 मार्च, 1977 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, के लिये ग्रहण कर लिया गया था।

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि ऊपर वर्णित आदेश सं० का०आ० 1482 एक वर्ष की और अवधि के लिये प्रभावी बना रहना चाहिए।

अतः, अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 18क की उपधारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निदेश देती है कि ऊपर वर्णित आदेश सं० का० आ० 1482 एक वर्ष की और अवधि तक प्रभावी रहेगा।

[सं० 48 76-सी वू सी]

अ० कु० घोष, अपर सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मद्रासालय मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा नियंत्रक प्रकाशन विभाग दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD
NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI 1977